Talcott Parsons (1902– 8 May 1979 Death Munich West Germany aged 76

American Sociologist of the classical Tradition COLORADO Uni.

पारसन्स का जन्म अमेरिका के ~~फ्लोरेडा~~ (~~Elorodha~~) में हुआ। पारसन्स ने 1924-25

London school of Economics में Hobhouse, Ginsberg, Malinowski के साथ रहकर

समाजशास्त्र और मानवशास्त्र का अध्ययन किया।

Main Books:

1. Essays in Sociological Theory (1949)
2. The Social System (1951)
3. Towards a General Theory of Action (1953)
4. Family Socialization and Interaction ~~P~~ Process (1955)
5. The Structure of Social action (1937)

Contribution in Sociology

1. समाज की अवधारणा (Concept of Society)
2. Theory of Social System.
3. Theory of Social action.
4. Functionalism.
5. Theory of Social Stratification)
6. Concept of Anomie or Normless.
7. AGIL
   - A. Adaptation
   - B. Goal, attainment)
   - C. ~~संतुलन~~ Integration
   - D. Latency बाद में (Pattern Variable).

Scanned with CamScanner

उनका क्रिया का सिद्धान्त उपयोगितावाद प्रत्यक्षवाद और आदर्शवाद का मिश्रण या संश्लेषण है उनका सामाजिक क्रिया का सिद्धान्त स्वैच्छिक क्रिया का सिद्धान्त कहलाता है स्वैच्छिक इसलिए कि कर्ता, लक्ष्य प्राप्ति के लिये उपलब्ध विकल्पों में से उपयुक्त विकल्पों का प्रयोग करता है इस प्रकार सामाजिक क्रिया अर्थपूर्ण होती है

पारसन्स के अनुसार "सामाजिक क्रिया वो गतिविधि है जिसका उद्देश्य किसी न किसी लक्ष्य को प्राप्त करना है"

सामाजिक क्रिया = लक्ष्य + गतिविधि

इस सिद्धान्त के अनुसार व्यक्ति को इसके अनेक लक्ष्य एवं साधनों में से चयन करना पड़ता है जो भौतिक और सामा० परिवेश द्वारा प्रभावित होते हैं पारसन्स ने सामाजिक क्रिया को सामा० व्यवस्था से सम्बद्ध करके व्याख्या प्रस्तुत की। उनके अनुसार कोई भी प्रणाली तब तक जीवित रह सकती है जब तक वो चार प्रकार्यात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करती है ये चार आवश्यकतायें इस प्रकार हैं

Adaptation (अनुकूल)	Goal Attainment (लक्ष्य प्राप्ति)
Latency (प्रतिमान)	Integration (एकीकरण)

प्रकार्यात्मक पूर्व आवश्यकतायें (Functional pre requisites)

3. i. लक्ष्य: लक्ष्य प्राप्ति के लिये संसाधनों का चयन और उन्हें संगठित करना।

ii. अनुकूलन: भौतिक पर्यावरण के साथ समायोजन

iii. एकीकरण: आन्तरिक समन्वय स्थापित करने और भिन्नताओं में समायोजन स्थापित करने सम्बन्धी आवश्यकता।

iv. प्रतिमान: सापेक्षिक स्थायित्व प्राप्त करने और कार्य की पूर्ति के लिये पर्याप्त प्रेरणा उत्पन्न करने सम्बन्धी आवश्यकता।

A.G.I.L Paradigm या Model

इस प्रकार व्यक्ति इन आवश्यकताओं की पूर्ति से सम्बन्धित क्रिया सम्पन्न करते हैं।

सामाजिक क्रिया की आवश्यक दशायें →

सामाजिक क्रिया की आवश्यक दशायें
- कर्ता (Actor)
- लक्ष्य (Goal)
- परिस्थिति
  - भौतिक
  - अभौतिक
- अभिस्थापन (Orientation)
- अभिप्रेरक (Motivation)
- मूल्य अभिस्थापन (Value Orientation)

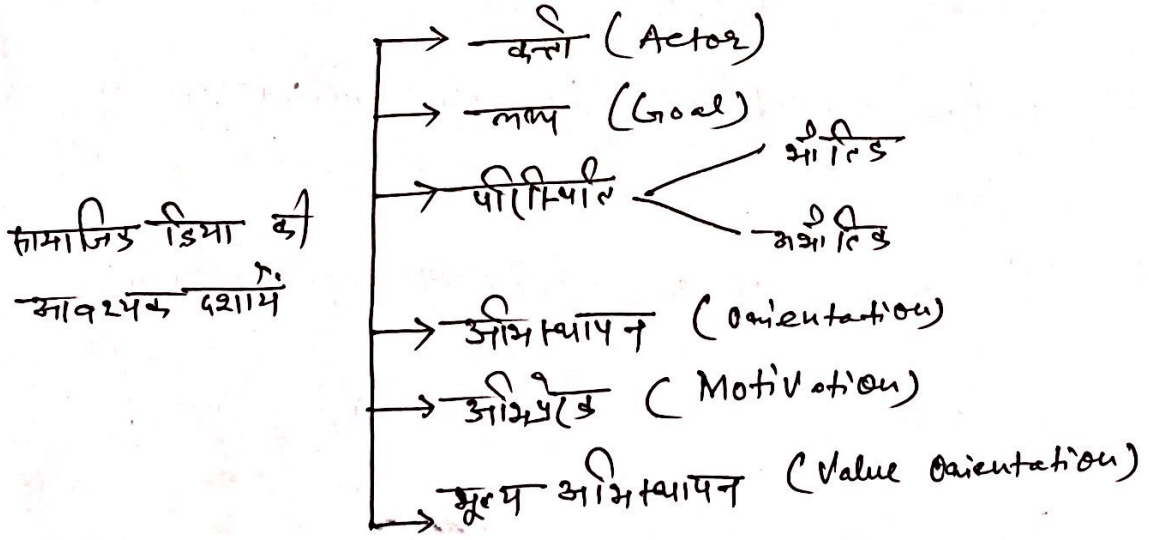

पारसन्स के अनुसार किसी भी सामाजिक क्रिया का उद्देश्य किसी निश्चित दशाओं में लक्ष्य प्राप्त करना है। इसमें अभिप्रेरक और मूल्य दोनों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

Scanned with CamScanner

Q.5.

Types of Motivation: पारसन्स ने तीन प्रकार के अभिप्रेरक का उल्लेख किया है

अभिप्रेरक

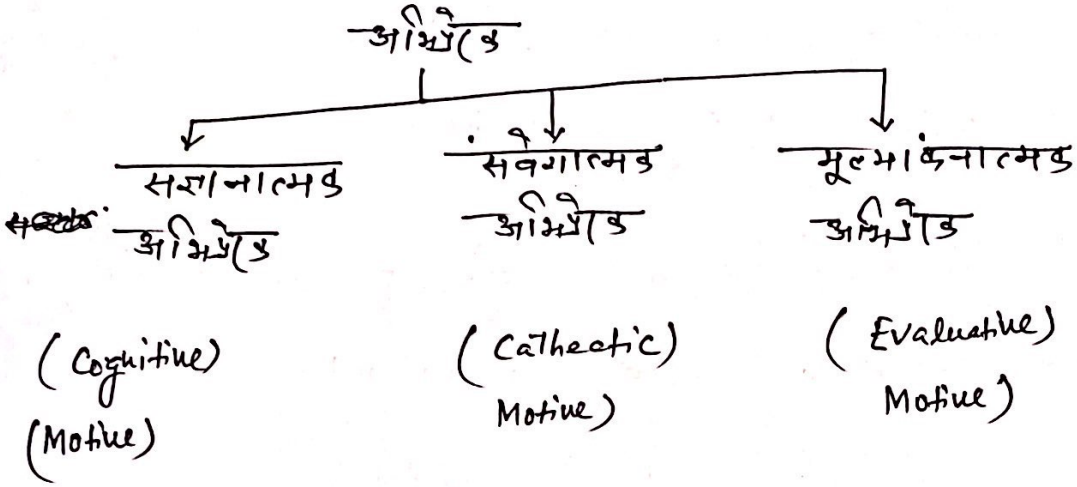

- संज्ञानात्मक अभिप्रेरक (Cognitive) (Motive)
- संवेगात्मक अभिप्रेरक (Cathectic Motive)
- मूल्यांकनात्मक अभिप्रेरक (Evaluative Motive)

a. **Cognitive Motive:** उन्मुखता के इस स्तर पर कर्ता वस्तु के प्रति केवल जानकारी प्राप्त कर पाता है। वह केवल इतना जानता है कि "यह क्या है" इस स्तर पर वह तटस्थ रहता है।

b. **Cathectic Motive:** इस स्तर पर कर्ता (Actor) वस्तु के प्रति संवेगात्मक सम्बन्ध होता है। वह वस्तु के और अभिलाषित तथा विकर्षित होता है।

c. **Evaluative Motive):** इस स्तर पर कर्ता वस्तु और अपनी इच्छाओं के प्रति हर पक्ष का विश्लेषण करता है और नैतिक निर्णय लेता है

मूल्य अभिस्थापना के प्रकार

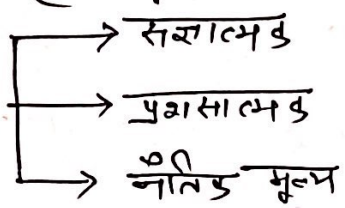

- संज्ञानात्मक
- प्रशंसात्मक
- नैतिक मूल्य

1. कर्ता क्रिया का वस्तुनिष्ठता से मूल्यांकन करता है

Scanned with CamScanner

(2) इन मूल्यों का सम्बंध उनसे है जिनकी व्यक्ति या समाज द्वारा प्रशंसा होती है।

(3) यह वह मूल्य है जिसमें नैतिकता से सम्बन्धित मूल्य होते हैं।

इस प्रकार पारसंस के अनुसार प्रत्येक क्रिया का उद्देश्य प्रत्येक अवस्था या दशा में लक्ष्य प्राप्त करना होता है। इसमें अभिप्रेरणा और मूल्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। कर्ता द्वारा की गयी क्रियाओं को किसी भी अवस्था के संदर्भ में पारसंस unitacts कहते हैं यही इकाइयां ही सामाजिक व्यवस्था निर्मित करती है। पारसंस के अनुसार क्रिया के समय कर्ता के समान विकल्प उपस्थित होते हैं। इन्हें Pattern variable कहते हैं।

1. Affectivity Vs Affective Neutrality.
2. Universalitic V/s. Particularisism.
3. Diffuseness Vs Speeifity.
4. Achievement Vs acription.
5. Self Vs Collectivity.

1. Affectivity Vs. Affective Neutrality

संवेगात्मक या उदासीनतापूर्ण व्यवहार

2. ~~Universalitic~~ Universalitic Vs. Particularisism.

(a) कर्ता नियमों से मुक्त होकर अपने लक्ष्यों की पूर्ति करे।
(b) कर्ता नियमबद्ध होकर अपने लक्ष्यों की पूर्ति करे।

Scanned with CamScanner

⑥.

a. वह ऐसे मूल्यों के अनुसार कार्य करे जो सार्वभौमिक हों

b. वह ऐसे मूल्यों के अनुसार कार्य करे जो केवल उसके हित में हों।

3. सम्पूर्ण बनाम अंश (diffuseness vs specificity)

a) कर्ता वस्तु के सभी पक्षों अथवा सम्पूर्ण में रुचि ले

b) कर्ता वस्तु के किसी विशेष अंश में रुचि ले।

4. अर्जित बनाम आरोपित (achievement vs. ascription)

a. ऐसे गुण जिन्हें वह अर्जित करता है।

b. ऐसे गुण जिन्हें वह जन्म, लिंग, जाति के आधार पर अपने ऊपर आरोपित पाता है।

5. स्वहित बनाम सामूहिकता (self vs. collectivity)

a. कर्ता केवल अपने हित में कार्य करे

b. कर्ता दूसरों के हित में कार्य करे।

पारसंस के सामाजिक क्रिया के सिद्धान्त को

Turner ने निम्नलिखित आधार पर स्पष्ट किया है—

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner